दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

डीएलएड में सरकारी कॉलेज पहली पसंद, प्राइवेट की 988 सीटें खाली

पहले राउंड में 2450 में से 1308 सीटें भरीं; नॉन-सब्सिडाइज्ड की 621 सीटों पर नहीं आया कोई दावेदार

मान्यता नहीं होने पर 2 संस्थान बाहर

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला, 2 सितंबर : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की डीएलएड सीईटी-2026 काउंसलिंग में अभ्यर्थियों ने सरकारी संस्थानों पर भरोसा जताया है। 21 से 31 अगस्त तक चले पहले चरण में कुल 2450 सीटों में से 1308 सीटों का आवंटन हुआ, जबकि 1142 सीटें खाली रह गईं।

इनमें सरकारी संस्थानों की सिर्फ 154 सीटें रिक्त हैं, जबकि निजी संस्थानों में 988 सीटें खाली हैं। सरकारी डीएलएड संस्थानों की 900 सीटों में से 746 सीटें पहले ही चरण में भर गईं। निजी संस्थानों की सब्सिडाइज्ड श्रेणी में 775 में से 408 सीटों पर दाखिला मिला और 367 सीटें खाली रहीं।

वहीं नॉन-सब्सिडाइज्ड श्रेणी में 775 में से महज 154 सीटें ही भर पाईं और 621 सीटें खाली रह गईं। बॉक्सः मान्यता नहीं तो काउंसलिंग में जगह भी नहीं इस बार दो संस्थानों की 100 सीटों को काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया। मंडी के सुंदरनगर स्थित ब्लूम्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन (कोट) और शिमला जिले के रामपुर केओथल स्थित शांतिलया इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग की 50-50 सीटें आवंटन से बाहर रहीं। बोर्ड के अनुसार इन संस्थानों के पास एनसीटीई की मान्यता और राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्धता नहीं है।

1142 सीटों के लिए फिर मिलेगा मौका

पहले चरण के बाद खाली बची 1142 सीटों को आगामी काउंसलिंग में भरा जाएगा। बोर्ड जल्द ही अगले चरण की तिथियां और दिशा-निर्देश जारी करेगा। बोर्ड ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे प्रवेश से जुड़ी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। किसी भी तकनीकी समस्या के लिए 01892-242192 पर संपर्क किया जा सकता है।

सीटों का आवंटन मेरिट, अभ्यर्थियों की ओर से भरे गए विकल्प और पारदर्शिता के निर्धारित मानकों के अनुसार किया गया है। पहले चरण में सीट पाने वाले अभ्यर्थी निर्धारित समय में संबंधित संस्थान में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करें। खाली बची 1142 सीटों को आगामी काउंसलिंग में भरा जाएगा। बोर्ड जल्द ही अगले चरण की तिथियां और दिशा-निर्देश जारी करेगा।

डॉ. राजेश शर्मा अध्यक्ष, प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड

Divya Himachal Dt.03-09-2026

डीएलएड काउंसिलिंग के पहले चरण में 1308 सीटें आबंटित

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित डीईएलईडी, सीईटी-2026 की काउंसिलिंग प्रक्रिया का पहला चरण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। 21 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक चली इस प्रक्रिया में प्रदेश भर के संस्थानों में उपलब्ध कुल 2,450 सीटों में से 1,308 सीटों पर अभ्यर्थियों को दाखिला मिल गया है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि यह आबंटन पूरी तरह से मेरिट, छात्रों द्वारा भरे गए विकल्पों और पारदर्शिता के मानकों का पालन करते हुए किया गया है। सीटों के आबंटन के आंकड़ों से स्पष्ट है कि अभ्यर्थियों की पहली पसंद सरकारी संस्थान ही रहे हैं। प्रदेश के सरकारी डीईएलईडी संस्थानों में उपलब्ध 900 सीटों में से 746 सीटें पहले ही चरण में भर गई हैं और यहां मात्र 154 सीटें खाली बची हैं। दूसरी ओर, निजी संस्थानों में कई सीटें खाली रह गई हैं। निजी संस्थानों की सबसिडाइज्ड श्रेणी की 775 सीटों में से 408 सीटें आबंटित हुई हैं (367 रिक्त)। वहीं, नॉन-सबसिडाइज्ड श्रेणी की 775 सीटों में से केवल 154 सीटें ही भर पाई हैं, जबकि सर्वाधिक 621 सीटें इसी श्रेणी में खाली रह गई हैं।

1,142 रह गई खाली

पहले चरण के बाद भी 1,142 सीटें रिक्त रह गई हैं, जिन्हें आगामी चरणों में भरा जाएगा।

हिमाचल D.El.Ed. काउंसलिंग, पहले चरण में 1308 सीटें आवंटित

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित D.El.Ed. (CET)-2026 की काउंसलिंग प्रक्रिया का पहला चरण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। 21 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक चली इस प्रक्रिया में प्रदेश भर के संस्थानों में उपलब्ध कुल 2,450 सीटों में से 1,308 सीटों पर अभ्यर्थियों को दाखिला मिल गया है। हालांकि, पहले चरण के बाद भी 1,142 सीटें रिक्त रह गई हैं, जिन्हें आगामी चरणों में भरा जाएगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि यह आवंटन पूरी तरह से मेरिट, छात्रों द्वारा भरे गए विकल्पों और पारदर्शिता के मानकों का पालन करते हुए किया गया है। सरकारी कॉलेजों की ओर छात्रों का भारी रुझान, सीटों के आवंटन के आंकड़ों से स्पष्ट है कि अभ्यर्थियों की पहली पसंद सरकारी संस्थान ही रहे हैं। प्रदेश के सरकारी ष्ठ.श्वद्य.श्वस्र. संस्थानों में उपलब्ध 900 सीटों में से 746 सीटें पहले ही चरण में भर गई हैं और यहां मात्र 154 सीटें खाली बची हैं। दूसरी ओर, निजी संस्थानों में कई सीटें खाली रह गई हैं। निजी

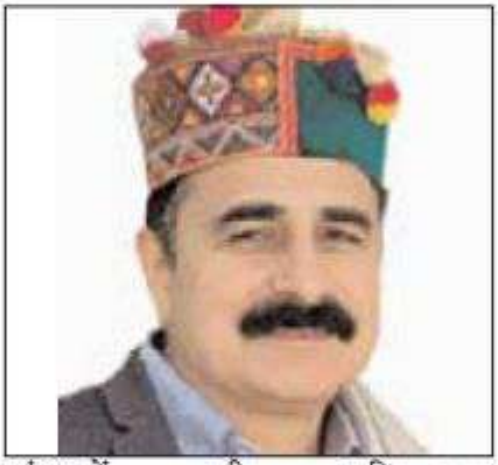

संस्थानों की सब्सिडाइज्ड (Subsidized) श्रेणी की 775 सीटों में से 408 सीटें आवंटित हुई हैं (367 रिक्त)। वहीं, नॉन-सब्सिडाइज्ड (Non-Subsidized) श्रेणी की 775 सीटों में से केवल 154 सीटें ही भर पाई हैं, जबकि सर्वाधिक 621 सीटें इसी श्रेणी में खाली रह गई हैं। मान्यता के अभाव में दो संस्थानों पर गिरी गाज, इस बार की काउंसलिंग प्रक्रिया से दो संस्थानों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि जिला मंडी के सुंदरनगर स्थित ब्लूम्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन (Kot) और जिला शिमला के रामपुर केओंथल स्थित शांतिलया इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग की 50 50 सीटों (कुल 100) को आवंटन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया है। इसका कारण इन संस्थानों का राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) से मान्यता प्राप्त न होना और राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध न होना है। तय समय में पूरी करनी होगी प्रवेश प्रक्रिया, बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि पहले चरण में जिन अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित हो चुकी हैं, वे निर्धारित समयावधि के भीतर अपने-अपने संस्थानों में जाकर प्रवेश प्रक्रिया (Admission) को पूरा करें। जो 1,142 सीटें खाली रह गई हैं, उनके लिए बोर्ड द्वारा जल्द ही आगामी काउंसलिंग की तिथियां और नए दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। बोर्ड की अपील और हेल्पलाइन: डॉ. राजेश शर्मा ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे प्रवेश को लेकर किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और केवल बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें। किसी भी प्रकार की शंका या तकनीकी समस्या के समाधान के लिए अभ्यर्थी सीधे शिक्षा बोर्ड कार्यालय के दूरभाष नंबर 01892-242192 पर संपर्क कर सकते हैं।

डिजिटल अखबार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज
02 सितंबर, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
पहली नजर
आज की ताजा खबर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज पेपर पहली नजर के साथ

हिमाचल डी.एल.एड. काउंसलिंग, पहले चरण में 1308 सीटें आवंटित

1142 अब भी खाली, सरकारी संस्थानों में प्रवेश की होड़

मान्यता न होने पर मंडी व शिमला के दो कॉलेज आवंटन से बाहर

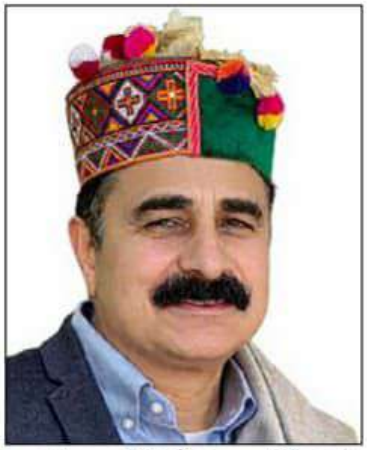

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित D.El.Ed. (CET)-2026 की काउंसलिंग प्रक्रिया का पहला चरण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। 21 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक चली इस प्रक्रिया में प्रदेश भर के संस्थानों में उपलब्ध कुल 2,450 सीटों में से 1,308 सीटों पर अभ्यर्थियों को दाखिला मिल गया है। हालांकि, पहले चरण के बाद भी 1,142 सीटें रिक्त रह गई हैं, जिन्हें आगामी चरणों में भरा जाएगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि यह आवंटन पूरी तरह से मेरिट, छात्रों द्वारा भरे गए विकल्पों और पारदर्शिता के मानकों का पालन करते हुए किया गया है।

सीटों के आवंटन के आंकड़ों से स्पष्ट है कि अभ्यर्थियों की पहली पसंद सरकारी संस्थान ही रहे हैं। प्रदेश के सरकारी D.El.Ed. संस्थानों में उपलब्ध 900 सीटों में से 746 सीटें पहले ही चरण में भर गई हैं और यहां मात्र 154 सीटें खाली बची हैं। दूसरी ओर, निजी संस्थानों में कई सीटें खाली रह गई हैं। निजी संस्थानों की 'सब्सिडाइज्ड' श्रेणी की 775 सीटों में से 408 सीटें आवंटित हुई हैं (367 रिक्त)। वहीं, 'नॉन-सब्सिडाइज्ड' श्रेणी की 775 सीटों में से केवल 154 सीटें ही भर पाई हैं, जबकि सर्वाधिक 621 सीटें इसी श्रेणी में खाली रह गई हैं।

मान्यता के अभाव में दो संस्थानों पर गिरी गाज

इस बार की काउंसलिंग प्रक्रिया से दो संस्थानों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि जिला मंडी के सुंदरनगर स्थित ब्लूम्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन (Kot) और जिला शिमला के रामपुर केओंथल स्थित शांतिलया इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग की 50-50 सीटों (कुल 100) को आवंटन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया है। इसका कारण इन संस्थानों का राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) से मान्यता प्राप्त न होना और राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध न होना है।

तय समय में पूरी करनी होगी प्रवेश प्रक्रिया

बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि पहले चरण में जिन अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित हो चुकी हैं, वे निर्धारित समयावधि के भीतर अपने-अपने संस्थानों में जाकर प्रवेश प्रक्रिया (एडमिशन) को पूरा करें। जो 1,142 सीटें खाली रह गई हैं, उनके लिए बोर्ड द्वारा जल्द ही आगामी काउंसलिंग की तिथियां और नए दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

बोर्ड की अपील और हेल्पलाइन

डॉ. राजेश शर्मा ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे प्रवेश को लेकर किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और केवल बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें। किसी भी प्रकार की शंका या तकनीकी समस्या के समाधान के लिए अभ्यर्थी सीधे शिक्षा बोर्ड कार्यालय के दूरभाष नंबर 01892-242192 पर संपर्क कर सकते हैं।

Anant Gyan Dt. 03-09-2026

डीएलएड काउंसलिंग में 1308 सीटें भरीं, 1142 खाली

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की डीएलएड सीईटी-2026 काउंसलिंग का पहला चरण पूरा हो गया है। 21 से 31 अगस्त तक चली प्रक्रिया में प्रदेश के संस्थानों की कुल 2450 सीटों में से 1308 सीटों पर दाखिला आवंटित किया गया, जबकि 1142 सीटें खाली रह गईं। इन सीटों को आगामी काउंसलिंग चरणों में भरा जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि सीटों का आवंटन मेरिट, अभ्यर्थियों की पसंद और पारदर्शी प्रक्रिया के आधार पर किया गया। सरकारी डीएलएड संस्थानों की 900 सीटों में से 746 सीटें भर गईं, जबकि 154 रिक्त हैं। निजी संस्थानों की सब्सिडाइज्ड श्रेणी में 775 में से 408 सीटें आवंटित हुईं, जबकि 367 खाली हैं। नॉन-सब्सिडाइज्ड श्रेणी में 775 में से केवल 154 सीटें भरी और 621 रिक्त रह गईं। मंडी के सुंदरनगर स्थित ब्लूम्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन और शिमला के रामपुर स्थित शांतिलया इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग की 50-50 सीटें आवंटन में शामिल नहीं की गईं। बोर्ड के अनुसार दोनों संस्थानों के पास एनसीटीई की मान्यता और स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्धता नहीं है। बोर्ड ने आवंटित सीट पाने वाले अभ्यर्थियों से निर्धारित समय में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने को कहा है। 1142 रिक्त सीटों के लिए आगामी काउंसलिंग की तिथियां जल्द जारी की जाएंगी। निर्माणाधीन स्टोन क्रशर में मंत्री की हिस्सेदारी का दावा, निष्पक्ष जांच की मांग।

Himachal Dastak Dt.03-09-2026

डीएलएड (सीईटी) के पहले चरण में 1308 सीटें आवंटित

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित डीएलएड (सीईटी)-2026 की काउंसलिंग प्रक्रिया का पहला चरण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। 21 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक चली इस प्रक्रिया में प्रदेश भर के संस्थानों में उपलब्ध कुल 2,450 सीटों में से 1,308 सीटों पर अभ्यर्थियों को दाखिला मिल गया है। हालांकि, पहले चरण के बाद भी 1,142 सीटें रिक्त रह गई हैं, जिन्हें आगामी चरणों में भरा जाएगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि आवंटन पूरी तरह से मेरिट, छात्रों द्वारा भरे गए विकल्पों और पारदर्शिता के मानकों का पालन करते हुए किया गया है।

Himachal D.El.Ed. Counseling: 1,308 Seats Allotted in First Phase; 1,142 Still Vacant

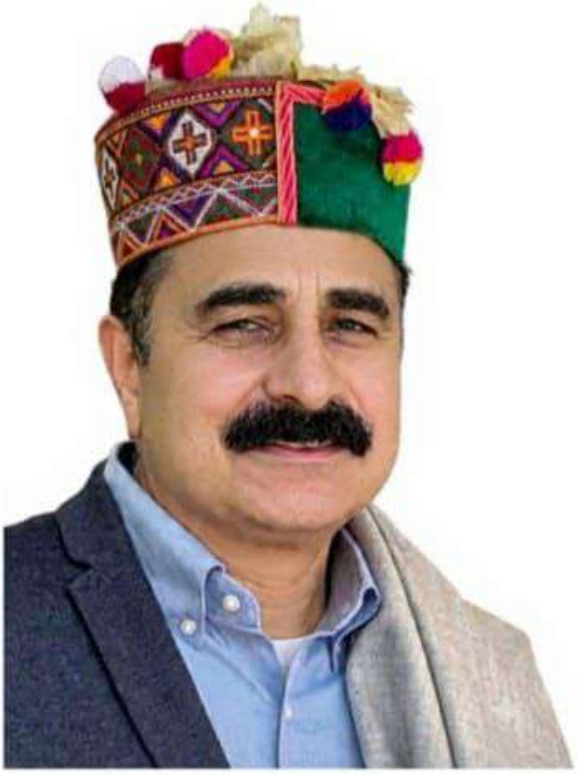

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA SEP 2 : The first phase of the counseling process for the D.El.Ed. (CET)-2026, conducted by the Himachal Pradesh Board of School Education, has concluded successfully. During this process, held from August 21 to August 31, 2026, candidates secured admission to 1,308 of the total 2,450 seats available in institutions across the state. However, 1,142 seats remain vacant after the first phase and will be filled in subsequent rounds. Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Himachal Pradesh Board of School Education, stated that the seat allocation was carried out strictly adhering to merit, student preferences, and transparency standards. Strong preference for government colleges: Seat allocation data clearly indicates that government institutions were the top choice for candidates. Out of the 900 seats available in the state's government D.El.Ed. institutions, 746 were filled in the first phase, leaving only 154 seats vacant. Conversely, a significant number of seats remain vacant in private institutions. In the 'subsidized' category of private institutions, 408 out of 775 seats were allotted (367 vacant). Meanwhile, in the 'non-subsidized' category, only 154 out of 775 seats were filled, resulting in the highest number of vacancies 621 seats in this category. Two institutions have been excluded from the counseling process this time. Dr. Sharma clarified that 50 seats each (totaling 100) from Blooms College of Education (Kot) in Sundernagar (Mandi district) and Shantilaya Institute of Education and Training in Rampur Keonthal (Shimla district) were not included in the allocation process. The reason for this is that these institutions lack recognition from the National Council for Teacher Education (NCTE) and are not affiliated with the State School Education Board. The Board Chairman has clarified that candidates who were allotted seats in the first phase must visit their respective institutions and complete the admission process within the stipulated timeframe. The Board will soon issue dates and new guidelines for the upcoming counseling session regarding the 1,142 vacant seats. Dr. Rajesh Sharma has urged candidates not to pay heed to any rumors concerning admissions and to rely solely on information published on the Board's official website.

SEPTEMBER 03, 2026 THURSDAY HIMACHAL PRADESH

The Sunny Times

HPBOSE CONCLUDES ROUND 1 OF D.EL.ED. COUNSELING: 1,308 SEATS ALLOCATED, OVER 1,100 VACANT

Sunny Mahajan | Dharamshala

When it comes to teacher training in Himachal Pradesh, government institutions remain the undisputed favorites. The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has wrapped up its first round of D.El.Ed. CET-2026 counseling, handing out 1,308 seats out of an available 2,450 across the state, leaving a massive pile of 1,142 seats untouched for round two.

The initial numbers reveal a massive rush for state-run classrooms, where 746 of the available 900 spots were snapped up almost overnight, leaving just 154 seats up for grabs. In stark contrast, private colleges took a heavy hit. While candidates claimed 408 out of 775 subsidized seats at private setups, the non-subsidized category bombed entirely, finding takers for only 154 of its 775 seats and leaving a staggering 621 empty desks.

Adding serious drama to the counseling run, education authorities cracked down hard on rogue colleges by tossing two institutes right out of the seat allotment list. Blooms College of Education in Sundernagar, Mandi, and Shantilya Institute of Education and Training in Rampur Keonthal, Shimla, both lost their 50-seat quotas after failing to show National Council for Teacher Education (NCTE) recognition and state board affiliation.

Board Chairman Dr. Rajesh Sharma affirmed that allotments ran on pure merit and transparent choices, warning all selected students to quickly lock in their reporting dates at designated institutes to secure admission. For the thousands aiming at the remaining 1,142 slots, HPBOSE will roll out round two schedules soon, urging anxious applicants to ignore campus gossip, stick to the official portal, or buzz the board's Dharamshala helpline directly at 01892-242192 for the straight facts.